

---

Shri Ramastotram by Hanuman

हनुमत्कृतं श्रीरामस्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : rAmastotram by Hanuman 2

File name : rAmastotramhanumat2.itx

Category : raama

Location : doc\_raama

Description/comments : From Madhwa Stotra Sangraha

Latest update : February 27, 2022

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 27, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

हनुमत्कृतं श्रीरामस्तोत्रम्



कोन्वीश ते पादरसोबभाजां  
सुदुर्लभोऽर्थेषु चतुर्ष्वपीह ।  
तथाऽपि नाहं प्रवृणोमि भूमन्  
भवत्पदाम्भोजनिषेवणादृते ॥ १ ॥

त्वमेव साक्षात्परमः स्वतन्त्र-  
स्त्वमेव साक्षादखिलोरुशक्तिः ।  
त्वमेव चागण्यगुणार्णवः सदा  
रमाविरिञ्चादिभिरप्यशेषैः ॥ २ ॥

समेत्य सर्वेऽपि सदा वदन्तो-  
ऽप्यनन्तकालाच्च न वै समाप्नुयुः ।  
गुणांस्त्वदीयान् परिपूर्णसौख्य-  
ज्ञानात्मकस्त्वं हि सदाऽतिशुद्धः ॥ ३ ॥


यस्ते कथासेवक एव सर्वदा सदा  
रतिस्त्वय्यचलैकभक्तिः ।  
स जीवमानो न परः कथञ्चित्  
तज्जीवनं मेऽस्त्वधिकं समस्तात् ॥ ४ ॥


प्रवर्धतां भक्तिरलं क्षणे क्षणे  
त्वयीश मे हासविवर्जिता सदा ।  
अनुग्रहस्ते मयि चैवमेव  
निरूपयौ तौ मम सर्वकामः ॥ ५ ॥

इतीरितस्तस्य ददौ स तद्व्यं  
पदं विधातुः सकलैश्च शोभनम् ।  
समाश्लिषच्चैनमथार्द्रया धिया  
यथोचितं सर्वजनानपूजयत् ॥ ६ ॥

॥ इति श्रीहनुमत्कृतं श्रीरामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

---

——  
*Shri Ramastotram by Hanuman*  
pdf was typeset on February 27, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

